वित्त वर्ष 2016-17 के लिए *कोंकण रेलवे कार्पोरेशन लिमिटेड (केआरसीएल)* की वार्षिक रिपोर्ट तथा ऑडिटेड लेखा की समीक्षा

कॉर्पोरेशन की स्थापना भारत के पश्चिमी तटीय क्षेत्र अर्थात् रोहा से मंगलोर तक 741 किलोमीटर की लंबाई के साथ रेलवे लाइन निर्माण कार्य और परिचालन के उद्देश्य के लिए रेल मंत्रालय (51%), महाराष्ट्र (22%), कर्नाटक (15%), केरल (6%) और गोवा (6%) की ईक्विटी भागीदारी के साथ 1990 में की गई थी। 1035 करोड़ रुपए की वित्तपोषण लागत के साथ परियोजना पूर्ण होने की लागत 3555 करोड़ रुपए थी। निगम 26 जनवरी,1998 से रेलवे संचालन के लिए पूरी तरह से तैयार हो गया और तब से यह यात्री और मालयातायात गाड़ियों का संचालन सफलतापूर्वक कर रहा है। निगम ने टर्नकी रेलवे परियोजनाओं के निर्माण कार्य में विशेषज्ञता हासिल की है। निगम विभिन्न परियोजनाएं जैसे अपने खंड का रोहा-वीर दोहरीकरण, कोंकण रेलवे मार्ग का विद्युतीकरण, 11 नए स्टेशनों और 8 अतिरिक्त लूप लाइनों का निर्माण कार्य, जयगढ़-दिग्नी रेल लिंक, एम.आर.पी.एल. मैंगलोर के लिए साइडिंग, बाल्ली स्टेशन पर मल्टी-मॉडल लॉजिस्टिक पार्क से संबंधित कार्य को निष्पादित कर रहा है। ऊधमपुर-श्रीनगर-बारामुल्ला रेल लिंक (यू.एस.बी.आर.एल.) परियोजना, जम्मू और कश्मीर के कटरा-धरम खंड का निर्माण जिसके तहत "चिनाब पुल" नाम सें चिनाब नदी के ऊपर ऐतिहासिक पुल का निर्माण किया जा रहा है।

वित्तीय निष्पादन:

क. पिछले वर्ष के दौरान 1625 करोड़ रुपए (एक हजार छह सौ पच्चीस करोड़ रुपए) की तुलना में वर्ष 2016-17 के दौरान कुल राजस्व बढ़कर 2153 करोड़ रुपए (दो हजार एक सौ तिरपन करोड़ रुपए) हो गया। निगम ने वर्ष 2015-16 में 129.50 करोड़ रुपए (एक हजार उनतीस करोड़ पचास लाख रु.) के लाभ की तुलना में समीक्षाधीन वर्ष के दौरान 62 करोड़ रुपए (बासठ करोड़ रुपए) का शुद्ध लाभ (कर पश्चात लाभ) अर्जित किया है।

ख. निगम का 31 मार्च, 2017 को कुल मूल्य 1496 करोड़ रुपए (एक हजार चार सौ छियानवे करोड़ रुपए) रहा है।

ग. वर्ष 2016-17 में परिचालनिक अनुपात 87% रहा।

घ. कंपनी ने वर्ष 2016-17 के दौरान 310 करोड़ रुपए मूल्य के बांड (तीन सौ दस करोड़ रु. केवल) भुनाए हैं। इसके अलावा, कंपनी ने अपनी देयताओं के प्रतिदान को पूरा करने के लिए निजी प्लेसमेंट आधार पर **300** करोड़ (केवल तीन सौ करोड़ रुपए) रुपए के नए बांड जारी किए हैं।

ड. निगम ने रोहा-वीर खंड के दोहरीकरण परियोजनाओं और समस्त कोंकण रेलवे मार्ग के विद्युतीकरण का कार्य करने के लिए 1510 करोड़ रु. की अनुमानित लागत में से 1200

करोड़ रु. की राशि कि लिए अवधि ऋण सुविधा प्राप्त करने के लिए भारतीय स्टेट बैंक और एग्मि बैंक के साथ समझौता किया है। 310 करोड़ रु. के शेष व्यय को राइट्स इश्यू के माध्यम से जारी किए जाने वाले प्रस्तावित शेयरों की खरीद करके शेयरधारकों द्वारा इक्विटी अंशदान के माध्यम से पूरा किया जाएगा।

पिछले तीन वर्षों के लिए संक्षिप्त वित्तीय विवरण निम्नानुसार है:

(करोड़ रूपए में)

विवरण	**2016-17**	**2015-16**	**2014-15**	**2013-14**
कुल आय	2153.00	1625.00	1323.00	1277.00
परिचालनिक मार्जिन	265.00	314.00	233.00	218.00
कर पश्चात लाभ	62.00	130.00	39.00	13.00
शुद्ध मूल्य	1496.00	1483.00	1354.00	1353.00

गाड़ी परिचालन निष्पादन

वर्ष 2016-17 के दौरान औसतन प्रति दिन 51 यात्री गाड़ियां चलती थीं। वर्ष के दौरान एक नई गाड़ी की शुरूआत की गई थी। वर्ष के दौरान 606 करोड़ रुपए की यात्री आमदनी हुई थी जो 2015-16 के दौरान 556 करोड़ रूपए की तदनुरूपी आमदनी से 9% अधिक थी।

वर्ष 2016-17 के दौरान, मालयातायात क्षेत्र में, रोल ऑन-रोल ऑफ (रो-रो) सेवाओं सहित प्रति दिन औसतन 17 मालयातायात गाड़ियां चलाई गईं। पिछले वर्ष 459 करोड़ रूपए मालभाड़ा आमदनी की तुलना में वर्ष के दौरान 440 करोड़ रुपए की मालभाड़ा आमदनी रही। रेल मंत्रालय द्वारा कुछ वस्तुओं की मालभाड़ा दरों में कटौती के कारण मुख्य रूप से आमदनी में गिरावट आई थी।

परियोजनाएं :

क. **यूएसबीआरएल परियोजना, जेएंडके** - अब तक, यूएसबीआरएल परियोजना, जेएंडके के कटरा-धरम खंड में कंपनी को सौंपा गया कुल 41 किमी के कार्य में से निगम ने 25.84 कि.मी. की सुरंग की खुदाई का कार्य पूरा किया है। वर्ष के दौरान लगभग कुल 3.25 कि.मी. लंबी 03 सुरंगों में कंक्रीट लाइनिंग संबंधी कार्य पूरे किए गए हैं। वर्ष के दौरान ऊधमपुर-श्रीनगर-बारामुल्ला रेल लिंक परियोजना में 808 करोड़ रूपए का कारोबार हासिल किया गया है, जो अब तक का सर्वोच्च है और वर्ष 2015-16 के 460 करोड़ रूपए से 75.62 % से अधिक है। वर्ष 2016-17 तक 3675 करोड़ रूपए का संचयी कारोबार हासिल किया गया है।

ख. जयगड़ दिग्नी रेल कनेक्टिविटी परियोजना - यह परियोजना जे.वी (संयुक्त उद्यम) कंपनी

"जयगड़ दिग्नी रेल लिमिटेड" द्वारा निष्पादित की जा रही है। भूमि अधिग्रहण का कार्य प्रगति पर है। महत्वपूर्ण सुरंगों और पुलों का कार्य शुरू कर दिया गया है।

ग. **रेलपथ दोहरीकरण - रोहा-वीर खंड (47 कि.मी.):** इस खंड के दोहरीकरण करने से खंड की लाइन क्षमता में वृद्धि होने की संभावना है। इस परियोजना की 340 करोड़ रुपए की अनुमानित लागत के साथ 36 महीनों में पूरी होने की संभावना है।

घ. **कोंकण रेल मार्ग का मार्ग विद्युतीकरण:** पूर्ण विद्युतीकरण होने पर, निगम को ईंधन लागत पर प्रतिवर्ष लगभग 120 करोड़ रूपए की बचत होने की उम्मीद है। परियोजना के निष्पादन के लिए, 612.57 करोड़ रूपए की कुल अनुमानित लागत पर खुली संयुक्त निविदाएं आमंत्रित की गई थीं। निविदाओं को अंतिम रूप दिया जा रहा है।

ड. **11 नए स्टेशनों और 8 अतिरिक्त लूप लाइनों का निर्माण :** केआरसीएल एकल लाइन खंड पर प्रतिदिन 53 से अधिक गाड़ियां चला रहा है। खंड की क्षमता में बढ़ोतरी करने के लिए, रेलवे बोर्ड ने 225 करोड़ रु. की लागत पर 11 नए स्टेशनों और 8 अतिरिक्त लूप लाइनों के निर्माण कार्य को अनुमोदित किया है। इन नए रेलवे स्टेशनों और अतिरिक्त क्रासिंग सुविधाओं के निर्माण के साथ कोई अतिरिक्त व्यय किए बगैर गाड़ी चालन की क्षमता में वृद्धि की संभावना है।

च. **एमआरपीएल, मैंगलौर के लिए साइडिंग :**

ठोकुर स्टेशन के पास मैसर्स मंगलोर रिफायनरी एंड पेट्रोकेमिकल लिमिटेड के लिए निजी साइडिंग के निर्माण का कार्य प्रारंभ कर दिया गया है। इस कार्य की लागत 80 करोड़ रुपए है। निविदा कार्य प्रक्रियाधीन है। साइडिंग से पैट कोक, सल्फर, बिटुमेन, पॉलीप्रोपाइलीन आदि जैसी विभिन्न पण्यों के 30 रेक प्रति माह का अपेक्षित यातायात प्रक्षेपण है।

छ. **बाल्ली स्टेशन पर मल्टी मॉडल लॉजिस्टिक्स पार्क :**

कोंकण रेलवे और कॉनकोर ने बाल्ली रेलवे स्टेशन पर एक मल्टी मॉडल लॉजिस्टिक्स पार्क स्थापित करने के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं, जो कोंकण रेलवे पर इस तरह का पहला होगा। कॉनकोर इस लॉजिस्टिक्स पार्क को स्थापित करने के लिए शुरूआत में 40 करोड़ रुपए का निवेश करेगा। कंपनी ने कॉनकोर के लिए इस सुविधा को स्थापित करने हेतु नाममात्र लाइसेंस फीस पर बाल्ली में रिक्त भूमि उपलब्ध कराई है। प्रारंभ में, इस सुविधा के पूरी होने के बाद प्रति माह 10 रेक का यातायात अपेक्षित है। इससे कंटेनर के साथ ही पारंपरिक मालभाड़ा यातायात भी शुरू होगा।

पुरस्कार:

भारत के माननीय राष्ट्रपति जी ने दिनांक 14/09/2016 को कंपनी को **"राजभाषा कीर्ति पुरस्कार"** शील्ड का **प्रथम पुरस्कार** प्रदान किया है।

****